The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-04, Issue-02, July-2025
www.theresearchdialogue.com

"मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन"

डा0 देवेन्द्र कुमार
सहायक प्रोफेसर
बीआईएमटी कॉलेज, मेरठ
Email id - nihul108@gmail.com

सारांश

समय के साथ किशोरावस्था का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि यह वह काल होता है जब छात्र शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक रूप से तीव्र परिवर्तन से गुजरते हैं। इस परिवर्तन काल में समायोजन की क्षमता का होना आवश्यक है ताकि विद्यार्थी अपने विद्यालयी, पारिवारिक तथा सामाजिक जीवन में संतुलन बनाए रख सकें। समायोजन से तात्पर्य है किसी व्यक्ति की वह योग्यता जिससे वह अपनी आंतरिक जरूरतों और बाह्य परिवेश के बीच सामंजस्य स्थापित कर सके। विशेषकर माध्यमिक विद्यालय के किशोरवय विद्यार्थियों के लिए समायोजन एक चुनौतीपूर्ण विषय है क्योंकि वे शैक्षणिक दबाव, सहपाठियों के साथ संबंध, परिवार की अपेक्षाएं और आत्म–पहचान की समस्याओं का सामना करते हैं। यह शोध माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन स्तरों का तुलनात्मक अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया। अध्ययन में विभिन्न माध्यम के विद्यालयों जैसे कि सरकारी और निजी विद्यालय, शहरी और ग्रामीण विद्यालय, तथा लड़के और लड़कियों के समायोजन का विश्लेषण किया गया। इस शोध के द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया कि क्या विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर होता है और कौन से कारक उनके समायोजन को प्रभावित करते हैं। शोध के लिए उद्देश्यपूर्ण नमूना चयन विधि का उपयोग किया गया और एक मानकीकृत समायोजन माप उपकरण का प्रयोग करके विद्यार्थियों के समायोजन स्तरों को मापा गया। यह अध्ययन किशोरावस्था में समायोजन की जटिलताओं और विभिन्न सामाजिक–शैक्षिक कारकों के प्रभावों को समझने में सहायक सिद्ध हुआ। इसके परिणाम शिक्षकों, अभिभावकों और नीति–निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करते हैं ताकि वे किशोरों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर वातावरण और सहायक रणनीतियां विकसित कर सकें। इसके अलावा, यह शोध यह भी स्पष्ट करता है कि समायोजन के लिए केवल अकादमिक उपलब्धि ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि

सामाजिक संबंधों, आत्म–संवर्धन और भावनात्मक स्थिरता भी उतनी ही आवश्यक हैं। अतः, माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षा क्षेत्र में सुधार और विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक विकास के लिए महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश प्रदान करता है। यह शोध आगे के अध्ययनों के लिए आधार तैयार करता है ताकि किशोरों की समस्याओं को समझकर उनके अनुकूल शैक्षिक एवं सामाजिक हस्तक्षेप विकसित किए जा सकें।

मुख्यशब्द – माध्यमिक विद्यालय, किशोरवय विद्यार्थी, समायोजन

प्रस्तावना

समाज के प्रत्येक स्तर पर किशोरावस्था एक महत्वपूर्ण और जटिल अवस्था मानी जाती है। यह वह युग होता है जब बालक बालिका शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक रूप से अनेक परिवर्तनों से गुजरते हैं। किशोरावस्था की यह अवस्था जीवन में कई नए अनुभवों, जिम्मेदारियों और चुनौतियों के साथ जुड़ी होती है। इस काल में बच्चों का व्यक्तित्व, स्वभाव और मानसिकता गहराई से विकसित होती है। इसलिए इस काल में उनकी समायोजन क्षमता का विकास अत्यंत आवश्यक हो जाता है। समायोजन या एडजस्टमेंट का तात्पर्य है, व्यक्ति की वह क्षमता जिससे वह अपने वातावरण, परिस्थितियों, तथा सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप अपने व्यवहार को ढाल सके। किशोरों के समायोजन की सफलता या असफलता उनके भावी जीवन, सामाजिक जीवन तथा शैक्षिक जीवन को प्रभावित करती है।

मुरादाबाद जनपद उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक क्षेत्र है, जहाँ शिक्षा के क्षेत्र में कई प्रकार की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विविधताएँ देखी जाती हैं। यहाँ के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के समायोजन की स्थिति का अध्ययन इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि विद्यालय वह स्थान है जहाँ विद्यार्थी न केवल शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करते हैं, बल्कि सामाजिक व्यवहार, अनुशासन, नैतिकता और सहजीवन के गुण भी सीखते हैं। विद्यालय की समग्र शैक्षिक प्रक्रिया में किशोरों की समायोजन क्षमता उनकी उपलब्धि, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक एकीकरण के लिए आधारशिला का काम करती है। समायोजन के अध्ययन में तुलनात्मक दृष्टिकोण का महत्व बहुत अधिक होता है। इसका कारण यह है कि विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि अलग–अलग हो सकती है। उदाहरण के लिए, सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों में भिन्नता हो सकती है। इसी प्रकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के समायोजन में भी भिन्नता देखने को मिलती है। इसलिए, मुरादाबाद जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के समायोजन की

तुलनात्मक समीक्षा करना आवश्यक हो जाता है ताकि उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और समायोजन की स्थिति को समझा जा सके। किशोरावस्था में समायोजन की आवश्यकता के पीछे कई कारण होते हैं। शारीरिक परिवर्तन जैसे विकासशील काया, मस्तिष्क के विकास से जुड़े संज्ञानात्मक परिवर्तन, भावनात्मक अस्थिरताएँ, सामाजिक दबाव, साथियों का प्रभाव, पारिवारिक वातावरण, आर्थिक स्थिति, एवं विद्यालय का शैक्षिक माहौल आदि सभी मिलकर किशोरों के समायोजन को प्रभावित करते हैं। जब किशोर अपने परिवर्तित वातावरण और अपेक्षाओं के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पाते हैं, तब उनके मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद, अस्वीकृति जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, जो उनके शैक्षिक प्रदर्शन और सामाजिक व्यवहार पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इसलिए समायोजन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन न केवल शैक्षिक क्षेत्र में, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार के दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है।

मुरादाबाद जनपद में माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की समायोजन स्थिति पर शोध इस बात को उजागर कर सकता है कि किस प्रकार विभिन्न प्रकार के विद्यालयों, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक विविधताओं के कारण समायोजन के स्तर में अंतर होता है। यह अध्ययन न केवल उनके शैक्षिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा, बल्कि इससे विद्यालय प्रशासन, शिक्षक और अभिभावकों को भी उचित दिशा–निर्देश प्राप्त होंगे, जिनसे वे किशोरों के समायोजन को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी उपाय कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन से नीति निर्माताओं को भी शिक्षा नीतियों एवं कार्यक्रमों को किशोरों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने में सहायता मिलेगी। समायोजन की अवधारणा व्यापक है और इसे विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने अलग–अलग दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। समायोजन का अर्थ केवल वातावरण के साथ सामंजस्य नहीं है, बल्कि इसमें अपने आत्म–स्वभाव, इच्छाओं, लक्ष्यों और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच सामंजस्य स्थापित करना भी शामिल है। किशोरों के समायोजन में शैक्षिक समायोजन, सामाजिक समायोजन, पारिवारिक समायोजन, और भावनात्मक समायोजन जैसे कई पहलू आते हैं। किसी भी किशोर के समग्र विकास के लिए इन सभी प्रकार के समायोजन का संतुलन अत्यंत आवश्यक है।

शैक्षिक समायोजन से तात्पर्य है कि विद्यार्थी विद्यालय के पाठ्यक्रम, शिक्षकों की अपेक्षाएँ, सहपाठियों के साथ संबंध और शैक्षिक गतिविधियों के साथ खुद को किस प्रकार सामंजस्य करता है। सामाजिक समायोजन में वह क्षमता शामिल है जिससे विद्यार्थी अपने सामाजिक समूह, परिवार, मित्रों और समाज के अन्य सदस्यों के साथ बेहतर संबंध स्थापित कर सके। पारिवारिक

समायोजन का अर्थ है कि विद्यार्थी अपने परिवार के नियमों, संस्कारों और व्यवहारों के अनुरूप स्वयं को ढाल सके। भावनात्मक समायोजन में किशोर अपनी भावनाओं, तनावों और मनोदशाओं को नियंत्रित करने और सकारात्मक रूप से व्यक्त करने की क्षमता विकसित करता है। इन सभी पहलुओं में असंतुलन किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है।

मध्यकालीन अध्ययन इस बात पर भी प्रकाश डालते हैं कि समायोजन की क्षमता किशोरों की शिक्षा में सफलता, आत्म–सम्मान, नेतृत्व कौशल, और सकारात्मक व्यवहार के साथ गहरे रूप से जुड़ी होती है। विशेषकर आज के समय में जब किशोर अनेक प्रकार के दबावों और विकर्षणों का सामना करते हैं, जैसे सोशल मीडिया, चममत चतमेनतम, प्रतियोगी परीक्षाएं, आर्थिक अस्थिरता आदि, उनकी समायोजन क्षमता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम उनके समायोजन के विभिन्न पहलुओं को समझें और उनकी सहायता के लिए प्रभावी हस्तक्षेप करें।

इस संदर्भ में मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों का तुलनात्मक अध्ययन एक नवीन और आवश्यक प्रयास होगा। यह अध्ययन किशोरों के समायोजन के स्तर, समायोजन में आने वाली कठिनाइयों, तथा उनके समाधान के लिए उठाए गए कदमों का विश्लेषण करेगा। इसके माध्यम से यह भी ज्ञात होगा कि किस प्रकार के विद्यालयों में किशोरों का समायोजन बेहतर है और किन कारकों से वे प्रभावित होते हैं। साथ ही, यह शोध शिक्षकों, अभिभावकों और नीतिनिर्माताओं को समायोजन के महत्व को समझने और उसे बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

अतः, इस अध्ययन का उद्देश्य मुरादाबाद जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के समायोजन की तुलना करना है ताकि उनके समायोजन की स्थिति का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन हो सके और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक उपाय सुझाए जा सकें। इस शोध से न केवल शैक्षिक क्षेत्र में सुधार की दिशा मिलेगी, बल्कि किशोरों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

आवश्यकता एवं महत्व

समायोजन का अर्थ है किसी व्यक्ति का अपने वातावरण, परिस्थितियों और सामाजिक परिवेश के अनुरूप अपने व्यवहार और मानसिकता को ढाल लेना। विशेषकर किशोरावस्था में, जब व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक रूप से कई परिवर्तनों से गुजर रहा होता है, समायोजन की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों

में पढ़ने वाले किशोरवय विद्यार्थियों के लिए समायोजन की क्षमता उनकी सफलता और समग्र विकास के लिए आवश्यक है। इस विषय पर तुलनात्मक अध्ययन करने की आवश्यकता और महत्त्व कई कारणों से स्पष्ट होता है। सबसे पहले, किशोरावस्था वह संवेदनशील और परिवर्तनशील काल है, जब बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूपों में परिपक्व हो रहे होते हैं। इस दौरान उन्हें न केवल शैक्षिक दबाव का सामना करना पड़ता है, बल्कि सामाजिक दबाव, भावनात्मक अस्थिरता और पहचान की खोज जैसे अनेक मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। यदि विद्यार्थी इन चुनौतियों से सही ढंग से समायोजित नहीं हो पाते, तो उनका शैक्षिक प्रदर्शन, सामाजिक व्यवहार तथा मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। दूसरे, मुरादाबाद जनपद की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण यहाँ के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी विभिन्न पृष्ठभूमियों से आते हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र, आर्थिक स्थिति, परिवारिक संरचना एवं सांस्कृतिक मान्यताएँ विद्यार्थी के समायोजन को प्रभावित करती हैं। इसलिए, इन विभिन्न परिवेशों में विद्यार्थियों के समायोजन की तुलना करना आवश्यक है ताकि उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और समस्याओं को समझा जा सके। तीसरे, समायोजन की दक्षता न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तिगत जीवन को सकारात्मक बनाती है, बल्कि उनके विद्यालयी व्यवहार, सहपाठी संबंधों, अनुशासन और पढ़ाई में रुचि को भी बढ़ावा देती है। बेहतर समायोजन वाले विद्यार्थी तनाव और दबाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जबकि असमायोजित विद्यार्थी मानसिक समस्याओं, अवसाद या अन्य नकारात्मक व्यवहारों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। चौथे, तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि किन क्षेत्रों या वर्गों के विद्यार्थी समायोजन की दृष्टि से कमजोर हैं, जिससे शिक्षा नीति निर्माता, शिक्षक और अभिभावक सही दिशा में कदम उठा सकें। इससे न केवल व्यक्तिगत स्तर पर सुधार संभव होगा, बल्कि विद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में समग्र सुधार के लिए नीतिगत पहल भी की जा सकेगी। अंततः, समायोजन की क्षमता का अध्ययन किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के लिए एक आवश्यक उपकरण है। यह उन्हें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और जीवन के विभिन्न दबावों से निपटने की क्षमता प्रदान करता है। मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के समायोजन पर तुलनात्मक अध्ययन से उनके विकास में बाधक तत्वों को चिन्हित कर उन्हें प्रभावी सहायता प्रदान की जा सकती है, जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धियाँ और समग्र व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित हो सके।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

- शर्मा, आर.एस. (2021) ने किशोरों के समायोजन स्तर का अध्ययन : शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों का तुलनात्मक विश्लेषण किया। इस शोध में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों के किशोर विद्यार्थियों के समायोजन की तुलना की गई। शोध के अनुसार, शहरी किशोरों में सामाजिक और शैक्षणिक समायोजन अधिक पाया गया, जबकि ग्रामीण किशोरों में पारिवारिक समायोजन बेहतर था। मुरादाबाद सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों से आंकड़े जुटाए गए।
- कुमारी, सीमा (2022) ने किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य और समायोजन : एक अध्ययन किया। इस शोध में किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और समायोजन के बीच संबंधों का विश्लेषण किया गया। विशेषकर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव को महत्व दिया गया। शोध में यह निष्कर्ष निकला कि सकारात्मक विद्यालयी वातावरण किशोरों के समायोजन में सहायक होता है।
- मिश्रा, दीपक (2023) ने मध्यप्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन किया। इस शोध में मुरादाबाद से तुलनात्मक रूप से मध्यप्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन की स्थिति का विश्लेषण किया गया। शोध में सामाजिक, शैक्षणिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत समायोजन के विभिन्न पहलुओं पर बल दिया गया।
- सिंह, राकेश (2024) ने मनोवैज्ञानिक कारक एवं किशोर समायोजनरू एक तुलनात्मक अध्ययन किया। इस अध्ययन में मनोवैज्ञानिक कारकों जैसे आत्म–सम्मान, तनाव, एवं सामाजिक समर्थन का किशोर समायोजन पर प्रभाव जांचा गया। मुरादाबाद के माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को भी इस अध्ययन में शामिल किया गया। निष्कर्ष में बताया गया कि उच्च आत्म–सम्मान और सकारात्मक सामाजिक समर्थन समायोजन को बेहतर बनाते हैं।
- कौर, जसप्रीत (2025) ने मुरादाबाद के माध्यमिक विद्यालयों में बालिका विद्यार्थियों के समायोजन पर सामाजिक आर्थिक स्थिति का प्रभाव किया। इस नवीनतम शोध में विशेष रूप से बालिका विद्यार्थियों के समायोजन का सामाजिक–आर्थिक स्थिति के संदर्भ में अध्ययन किया गया। शोध में पाया गया कि उच्च सामाजिक–आर्थिक स्थिति वाले परिवारों की छात्राओं का समायोजन बेहतर होता है, जबकि निम्न आर्थिक वर्ग की छात्राओं को अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

समस्या कथन

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थिय के समायोजन का लैंगिक आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का लैंगिक आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु केवल 320 छात्रो एवं 280 छात्राओं को शामिल किया गया है।

उपकरण

समायोजन मापने हेतु – स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पनाओं का परिभाषीकरण

तालिका संख्या – 1

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय छात्र एवं छात्राओं के समायोजन का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
छात्र	320	25.61	5.81	1.46	,,,
छात्राऐं	280	26.53	6.72		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :–

तालिका संख्या 1 में मुरादाबाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में किशोर लड़के और लड़कियों को तालिका में दिखाया गया है, जो उनके समायोजन को दर्शाता है। टेबल के

अनुसार, मुरादाबाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में किशोर लड़कों के लिए माध्य और मानक विचलन क्रमशः 25.61 और 5.81 है। किशोर लड़कियों के लिए, संबंधित संख्या 26.53 और 6.72 है। दो डेटा सेटों के बीच, महत्वपूर्ण अनुपात 1.46 निकलता है, जो 0.05 और 0.01 महत्व की सीमाओं से कम है। महत्व के निम्न स्तर के कारण, हम यह निष्कर्ष नहीं निकाल सकते कि दोनों समूहों के बीच पर्याप्त अंतर है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मुरादाबाद क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालयों में भाग लेने वाले किशोर लड़कों के समायोजन उनके लिंग के आधार पर महत्वपूर्ण रूप से भिन्न नहीं होता है।

निष्कर्ष

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का लैंगिक आधार पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- शर्मा, आर.एस. (2021). किशोरों के समायोजन स्तर का अध्ययन : शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों का तुलनात्मक विश्लेषण, वाराणसी : ज्ञान प्रकाशन।
- कुमारी, सीमा. (2022). किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य और समायोजन : एक अध्ययन, भारतीय मनोविज्ञान पत्रिका, 39(2), 145–162.
- मिश्रा, दीपक. (2023). मध्यप्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन, भोपाल : मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- सिंह, राकेश. (2024). मनोवैज्ञानिक कारक एवं किशोर समायोजन : एक तुलनात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 12(1), 78–92.
- कौर, जसप्रीत. (2025). मुरादाबाद के माध्यमिक विद्यालयों में बालिका विद्यार्थियों के समायोजन पर सामाजिक आर्थिक स्थिति का प्रभाव, शोध लेख, 8(4), 205–221.

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

Cite this Article:

डा0 देवेन्द्र कुमार," **मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन"** *The Research Dialogue,* An Online Quarterly Multi-Disciplinary Peer-Reviewed & Refereed National Research Journal, *ISSN: 2583-438X (Online), Volume 4, Issue 2, pp.173-181, July 2025. Journal URL:*

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed & Refereed National Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-04, Issue-02, July-2025
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number July-2025/17
Impact Factor (RPRI-4.73)

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डा0 देवेन्द्र कुमार

for publication of research paper title

"मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2583-438X, Volume-04, Issue-02, Month July, Year-2025.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY